



https://printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलटिक बीमारियां

के संस्करण 2016

1. वास्कुलाइटिस क्या है?

1.1 यह क्या है?

वास्कुलाइटिस रक्तवाहनी का प्रज्वलन है। वास्कुलाइटिस बीमारियों का एक समूह है। 'प्राइमरी' का मतलब है कि बिना किसी अन्य बीमारी के रक्तवाहनी प्रभावित है। वास्कुलाइटिडीएस का विवरण रक्तवाहनी के नाप व प्रकार पर निर्भर करता है। विभिन्न प्रकार के वास्कुलिटिस हैं जो हलके से जानलेवा हो सकते हैं। ये बीमारी समूह बहुत दुर्लभ है यानि कि यह बीमारियां कभी कभार देखी जाती हैं।

1.2 यह कतिनी आम है?

कुछ वास्कुलाइटिस बच्चों में अक्सर पाये जाते हैं (जैसे हनोक-शोलाइन परपूरा व कावासाकी बीमारी), जबकि अन्य बहुत दुर्लभ हैं। कभी कभी तो माता-पिता ने वास्कुलाइटिस का नाम अपने बच्चे की बीमारी होने से पहले सुना ही नहीं होता। हनोक-शोलाइन परपूरा व कावासाकी बीमारी का विवरण अलग जगह दिया गया है।

1.3 इस बीमारी के क्या कारण हैं? क्या ये माता-पिता से बच्चों में आ सकती है? क्या ये सक्रमण की बीमारी है? क्या इसका बचाव संभव है?

प्राइमरी वास्कुलिटिडीएस प्रायः परिवार में नहीं होती है। प्रायः परिवार में एक बच्चा ही प्रभावित होता है और बच्चों में होने की संभावना ना के बराबर है। यह लगता है कि कई कारण इस बीमारी के होने में सम्मिलित हैं। यह माना जाता है कि कीटाणु, जीन्स व वातावरण इस बीमारी के होने में भागीदार हैं।

नहीं, ये सक्रमण की बीमारी नहीं है। इसका बचाव संभव नहीं है। इन बीमारियों को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता है पर इन पर काबू पाया जा सकता है - मतलब की इनके लक्षण दूर हो जाते हैं। इस स्थिति को "रेमिशन" कहते हैं।

1.4 रक्तवाहनी को वास्कुलटिसि में क्या होता है ?

शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति रक्त वाहनी पर वार कराती है जिससे उनमें सूजन आ जाती है और वह खराब हो जाती है। खून का दौरा कम हो जाता है व उनमें खून जम सकता है। रक्त वाहनी की सूजन के साथ इसके कारण रक्त वाहनी सिकुड़ या बंद हो जाती है।

रक्त वाहनी में खून के कण जमा हो जाते हैं जो रक्त वाहनी व आस पास को खराब करते हैं। इन को बीओप्सी में देखा जा सकता है।

रक्त वाहनी से पानी बहार रसिने लगता है और आस पास सूजन पैदा करता है। इन कारणों से इन बीमारियों में तरह तरह के चकते चमड़ी पर हो जाते हैं

रक्त वाहनी सिकुड़ने के कारण खून का दौरा कम होने से व कभी कभी धमनी के फटने के कारण आस पास के टिशू खराब हो जाते हैं। अहंम अंगों को खून देने वाली रक्त वाहनी खराब होने से दमाग, फेफड़े, दिल व गुर्दे पर गंभीर असर पड़ सकता है। फैले हुए वास्कुलटिसि में प्रज्वलन के अनेक कण रक्त में पाये जाते हैं जो बुखार, थकन व खून के जाँच में प्रज्वलन को प्रदर्शित करने वाले टेस्ट: ई स आर व सी रिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी) को प्रभावित करते हैं। बड़ी रक्त वाहनियों की खराबी देखने के लिए एंजियोग्राफी (एक तरह का एक्सरे जिसमें रक्त वाहनियों को देखा जा सकता है)।